

I. कठिन शब्द पढ़कर लिखिए ।

निर्माण	स्फूर्ति	संरक्षण	उल्लेख	जागरूक
प्रयत्न	विश्वास	जुड़वाँ	शकल-सूरत	उपभोक्ता
अधिनियम	अवश्य	छुट्टी	सुनिश्चित	ज़िम्मेदारी
मूल्यवान	स्वास्थ्य	विद्या	व्यर्थ	श्रम
मनुष्य	अस्पताल	मुफ्त	जाँच	उत्सुकता
प्रोत्साहक	प्रयोगशाला	आत्मविश्वास	किस्मत	निश्चय

II. कहानी पढ़कर सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

कछुआ और खरगोश

एक दिन, कछुआ और खरगोश के बीच एक दौड़ का आयोजन होता है। खरगोश अपनी गति पर घमंड करता है और कछुए को चुनौती देता है। दौड़ शुरू होती है, खरगोश बहुत तेजी से भागता है, लेकिन बीच में आराम करने के लिए रुक जाता है। कछुआ धीरे-धीरे, लेकिन लगातार चलता रहता है। जब खरगोश आराम से उठकर देखता है, तो कछुआ पहले ही लक्ष्य तक पहुँच चुका होता है। इस तरह, कछुआ दौड़ जीत जाता है, जो खरगोश के घमंड को चकनाचूर कर देता है।

सीख:

इस कहानी से हमें धैर्य, निरंतरता और घमंड न करने का पाठ मिलता है। धीमे और स्थिर प्रयास हमेशा बेहतर परिणाम देते हैं, भले ही वे तत्काल न दिखें। हमें अपनी ताकत और कमजोरियों को समझना चाहिए और उन्हें सही तरीके से उपयोग करना चाहिए।

III. कविता का वाचन कीजिए ।

सरफरोशी की तमन्ना

सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है।
 देखना है जोर कितना बालु-ए-कातिल में है।।
 करता नहीं क्याँ दूसरा कुछ बातचीत।
 देखता हूँ मैं जिसे वो चुप तेरी महफिल में है।।
 ए शहीद-ए-मुल्क-ओ-मिल्लत मैं तेरे ऊपर निसार।
 अब तेरी हिम्मत का चर्चा गौर की महफिल में है।।
 वक्त आने दे बता देंगे तुझे ऐ आसमान।
 हम अभी से क्या बतायें क्या हमारे दिल में है।।

